10:02 AM

4G 39

हिन्दुस्तान

Subscribe

FESTIVE BONANZA

खबरों का पूरा डोज
सिर्फ 1 रूपये
हर रोज

अधिक जानिए

सड़क सुरक्षा माह 2021

बिना हेलमेट वाहन चलाना
जान को खतरा और जुर्माना
अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट अवश्य लगाएं

प्रत्येक रविवार
मुख्यमंत्री आरोग्य मेला
व्यावसायिक वाहन चालक/परिचालक सपरिवार स्वास्थ्य परीक्षण करवाएं।

परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश

एचबीटीयू के दूसरे दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मेधावियों को किया सम्मानित, 36 मेडल पहनाए गए

समाज के हितों से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार करें विवि

मेडल की दौड़ में बेटे-बेटियां बराबर

बेटियों को दी बधाई

सुमन को सबसे अधिक अंक

अगले सत्र से आठ भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई

मेधावी बोले

पांडु नदी के पुनरुद्धार के लिए प्रोजेक्ट को किया गया सम्मानित

शिक्षा

मजबूत इरादों से बच्चों की जिंदगी संवार रहीं सपना

सपना मुखर्जी

कमजोर बच्चों के लिए शशि ने घर को बना दिया स्कूल

शशि गौतम

9:40 AM

Kanpur city My City 30

एचबीटीयू में आयोजित दूसरे दीक्षांत समारोह में मेडल व डिग्री मिलने की खुशी में उछल पड़ीं छात्र-छात्राएं। संवाद न्यूज एजेंसी

शिक्षकों के लिए जरूरी आठ मॉड्यूल ट्रेनिंग कोर्स

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। इंजीनियरिंग संस्थानों में नियमित शिक्षक बनने या प्रोन्नति पाने की राह अब आसान नहीं होगी। अब शिक्षकों को (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) एआईसीटीई द्वारा गठित आठ मॉड्यूल वाला ट्रेनिंग कोर्स पास करना ही होगा। बिना ट्रेनिंग कोर्स पास किए शिक्षक तो बन जाएंगे लेकिन नियमितीकरण या प्रमोशन नहीं मिलेगा।

यह बात मुख्य अतिथि एआईसीटीई के चेयरमैन प्रोफेसर अनिल डी सहस्त्रबुद्धे ने कही। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत तकनीकी संस्थानों में शिक्षक के पद पर तैनात होने वाले शिक्षकों को उद्योगों में ट्रेनिंग भी दिलाई जाएगी। कहा कि अब छात्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी हिंदी, तमिल, तेलगु, गुजराती, असमिया, उड़िया भाषा में भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए एआईसीटीई ने प्रयास शुरू कर दिए हैं।

दीक्षांत समारोह में एआईसीटीई के चेयरमैन ने दी जानकारी

कोरोना काल में देश हुआ मजबूत

■ राज्यमंत्री प्राविधिक शिक्षा संदीप सिंह ने कहा कि कोरोना काल में भारत काफी मजबूत हुआ है। देश जहां पहले कई चीजें आयात करता था, लेकिन अब कोरोना काल में उन्हीं उत्पादों का देश में उत्पादन शुरू हो गया है। कहा कि एन 95 मास्क, वेंटिलेटर, पीपीई किट का निर्माण कर निर्यात करना शुरू कर दिया गया है।

मेधावियों पर बरसे मेडल, शुभम को कुलाधिपति स्वर्ण पदक

एचबीटीयू के दूसरे दीक्षांत समारोह में 35 मेधावियों को मेडल और 572 विद्यार्थियों को मिलीं डिग्रियां

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) के दूसरे दीक्षांत समारोह में शुक्रवार को मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र शुभम कुमार सिंह को कुलाधिपति स्वर्ण और कुलपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे और विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री प्राविधिक शिक्षा संदीप सिंह समारोह में मौजूद रहे।

13 विद्यार्थियों को मिले स्वर्ण पदक

दीक्षांत समारोह में 35 छात्र-छात्राओं को पदक और 572 को डिग्रियां दी गईं। 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 12 को रजत और 10 विद्यार्थियों को कांस्य मेडल दिया गया। बीटेक में 445, एमसीए में 55 और एमटेक में 72 छात्रों को डिग्रियां दी गईं। हालांकि पदक लेने वाले कई छात्र मौके पर उपस्थित नहीं थे।

कोविड मानकों का पालन करते हुए ऑडिटोरियम के भीतर बैठने की व्यवस्था की गई थी। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने विधि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान अलग-अलग क्षेत्र में काम करने वाले तीन समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। नदियों के संरक्षण पर कार्य करने वाले ब्रजेंद्र प्रताप सिंह, महिला सशक्तीकरण पर काम करने वाली सरिता क्षत्रिय वहाब और रोटी बैंक के धर्मेंद्र कुमार सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्राथमिक विद्यालय, जागेश्वर मंदिर के 15 छात्र-छात्राओं को पुस्तक और फल दिए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रामनरेश, मंच की व्यवस्था कुलसचिव प्रो. नीरज सिंह ने संभाली।

शुभम कुमार सिंह को कुलाधिपति स्वर्ण और कुलपति स्वर्ण पदक देतीं राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल, मुख्य अतिथि प्रो. अनिल डी सहस्त्रबुद्धे, राज्यमंत्री प्राविधिक शिक्षा संदीप सिंह व साथ में कुलपति प्रो. एनबी सिंह।

इन मेधावियों को मिला सम्मान

स्वर्ण पदक : सिविल इंजीनियरिंग की निशिता सिंह, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की प्रगति अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के हर्षित मौर्य, एमसीए के शिवम चौहान, फूड टेक्नोलॉजी की पूनम कुमारी, पेंट टेक्नोलॉजी की सृष्टि सिन्हा।

रजत पदक : कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की रितिका गुप्ता, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के प्रशांत लवानिया, आईटी की देवयानी गोयल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की संध्या वर्मा, एमसीए की अनीता हेमराजानी, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग की सुहानी मेहरोत्रा, ऑयल टेक्नोलॉजी की श्वेता चौधरी, प्लास्टिक टेक्नोलॉजी के अमन कुशवाहा, पेंट टेक्नोलॉजी की चारुल अग्रवाल।

कांस्य पदक : सिविल इंजीनियरिंग की अंजलि पटेल, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के रमन सचान, केमिकल इंजीनियरिंग के राज सिंह।

नदियों के संरक्षण के लिए कार्य करने वाले ब्रजेंद्र सिंह का सम्मान

■ दीक्षांत समारोह में पांडु नदी के पुनरुद्धार के लिए काम करने वाले ब्रजेंद्र प्रताप सिंह को सम्मानित किया गया। मानद पत्र पढ़ते हुए कुलपति प्रोफेसर एनबी सिंह ने कहा कि उनके इस अभियान में संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र भी जुटे थे। कुलाधिपति ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हर छात्र छात्रा को ऐसे सामाजिक कार्यों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने नदी, जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी को भी ऐसे कामों से जुड़ना चाहिए।

ऑनलाइन पढ़ाई में सुधार की जरूरत

89.1 फीसदी अंक के साथ कुलाधिपति स्वर्ण और कुलपति स्वर्ण पदक पाने वाले शुभम कुमार सिंह आगे एमबीए करना चाहते हैं। राजस्थान में हीरो मोटोकार्प कंपनी में चयनित शुभम मूल रूप से मथुरा के रहने वाले हैं। पिता मनोज कुमार सिंह प्राइवेट नौकरी और मां सुनीता गृहिणी हैं। शुभम ऑनलाइन पढ़ाई के पक्ष में हैं, लेकिन मानते हैं कि इसमें अभी सुधार की आवश्यकता है।

विद्या चाहते हैं तो सुख को त्याग दें

विद्या चाहते हैं सुख को त्याग दें। यह कहना है गोल्ड मेडल पाने वाले शिवम चौहान का। इनके एमसीए कोर्स में 8.9 सीजीपीए है। गाजियाबाद के रहने वाले शिवम चौथे सेमेस्टर से ऑस्ट्रेलिया की एक कंपनी में इंटर्नशिप कर रहे हैं। इंडोनेशिया की कंपनी जेनिक्स में 16 लाख रुपये सालाना पैकेज पर प्लेसमेंट मिला है। ट्रैवल इंडस्ट्री के लिए सॉफ्टवेयर डेवलप करना चाहते हैं। पिता जगदीश सिंह निजी कंपनी में काम करते हैं और मां ऊषा रानी गृहिणी हैं।

किसान के बेटे ने पाया गोल्ड मेडल

कानपुर देहात के अनवरीपुर गांव निवासी निर्मल सिंह ने बीटेक बायो केमिस्ट्री में 78 प्रतिशत अंक पाकर गोल्ड मेडल पाया है। पिता दिनेश सिंह किसान और मां शिवकांती सिंह गृहिणी हैं। निर्मल ने बताया कि स्कॉलरशिप से उन्होंने इस मुकाम को पाया है। परिवार के वह पहले इंजीनियर हैं। यूपीएससी की तैयारी करना लक्ष्य है। इनकी कैंपस प्लेसमेंट में अडानी वेलमर कंपनी में 4,85000 सालाना पैकेज पर नौकरी मिली है।

रोजाना दो घंटे पढ़ें लेकिन मन से

मध्यप्रदेश के जबलपुर में रहने वाली प्रगति अग्रवाल ने बीटेक कंप्यूटर साइंस में 84.84 फीसदी अंक पाकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। प्रगति कैलिफोर्निया की एक कंपनी में नौकरी करती हैं, फिलहाल वर्क फ्रॉम होम पर हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से मेडिकल उपकरण बनाना इनका लक्ष्य है। प्रगति ने बताया कि विद्यार्थी रोजाना दो घंटे भी मन से पढ़ें तो सफलता निश्चित है। पिता प्रमोद अग्रवाल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में जज और मां रंजना गृहिणी हैं।

प्रबंधन क्षेत्र में करना है शोध

हर्षित मौर्य ने बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में 84.16 प्रतिशत अंक पाकर गोल्ड मेडल पाया है। जौनपुर के निवासी हर्षित आईआईएम लखनऊ से एमबीए और पीएचडी के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम की पढ़ाई कर रहे हैं। हर्षित प्रबंधन के क्षेत्र में शोध करना चाहते हैं। कहा कि विज्ञान के माध्यम से भारतीय संस्कृति और धर्म को लोगों को समझाएंगे। पिता रमेश चंद्र मौर्य बैंक कर्मी और मां बेला देवी की गृहिणी हैं।

आठ लाख के पैकेज पर नौकरी कर रहीं सृष्टि

पेंट टेक्नोलॉजी में स्वर्ण पदक पाने वाली सृष्टि सिन्हा एशियन पेंट्स में आठ लाख के पैकेज पर नौकरी कर रही हैं। मूल रूप से नोएडा की रहने वाली सृष्टि को 79.52 फीसदी अंक मिले हैं। वह कहती हैं कि राज्यपाल से सम्मानित होना गर्व की बात है। उनके पिता संजय कुमार आईटी सेक्टर में हैं और मां सविता सिन्हा गृहिणी हैं। बताया कि पिता और अन्य रिश्तेदारों को देखकर ही इंजीनियरिंग करने का मन बनाया था।

नई शिक्षा नीति छात्रों के लिए मददगार

फूड टेक्नोलॉजी में स्वर्ण पदक पाने वाली पूनम कुमारी नई शिक्षा नीति के पक्ष में हैं। 75.88 फीसदी अंक पाने वाली पूनम कहती हैं कि ड्रॉप आउट छात्रों के लिए नई शिक्षा नीति वरदान है। उन्होंने कहा कि अंक जरूरी हैं पर नौकरी में ओवर ऑल पर्सनैलिटी देखी जाती है। राजस्थान में जॉब कर रहीं पूनम मूल रूप से आगरा की रहने वाली हैं। पिता राम स्वरूप रिटायर्ड डीआईओएस और मां नीरेश कुमारी प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका हैं।

आईआईटी से एमटेक कर रहीं निशिता

सिविल इंजीनियरिंग में स्वर्ण पदक पाने वाली निशिता सिंह आईआईटी कानपुर से एमटेक कर रही हैं। 85.26 फीसदी अंक पाने वाली निशिता ने आगे की पढ़ाई के लिए कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा नहीं लिया था। विश्वबैंक बर्रा की रहने वाली निशिता के पिता अरुण कुमार फील्ड गन में हैं। एमटेक करने के बाद उनका मन सिविल सर्विसेज में जाने का है। वह कहती हैं कि सिविल पसंदीदा ब्रांच है, यहां सब कुछ नजरों के सामने दिखता है।

'दीक्षांत समारोह' में 36 छात्रों को पदक देकर किया गया सम्मानित

जन एक्सप्रेस संवाददाता

प्रदीप शर्मा

कानपुर नगर। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय मे शुक्रवार को द्वितीय दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम में प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह विशिष्ट अतिथि व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल डी सहस्त्रबुद्धे मुख्य अतिथि रहे। दीक्षांत समारोह में कुल 36 छात्रों को पदक

देकर सम्मानित किया गया जिसमें शुभम सिंह को चांसलर गोल्ड मेडल मिला जबकि अन्य 13 छात्रों को गोल्ड 12 छात्रों को सिल्वर और 10 छात्रों को कास्य मेडल मिला। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा केवल पढ़ा लिखा होना ही काफी नहीं है बल्कि समाज के विभिन्न वर्ग के साथ विश्वविद्यालय का जुड़ाव होना भी आवश्यक है उन्होंने कहा कि पुस्तके विश्व का सबसे सर्वश्रेष्ठ उपहार है।

राज्यमंत्री संदीप सिंह ने विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना करते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। ए.आई.सी.टी.ई.के अध्यक्ष प्रोफेसर सहस्त्रबुद्धे ने कहा अब इंजीनियरिंग कॉलेज में शिक्षक बनने के लिए डिग्री के अलावा ए.आई.सी.टी.ई. के द्वारा बनाया गय एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी नए भर्ती होने वाले शिक्षकों को पढ़ना पड़ेगा। इस अवसर पर कुलाधिपति ने समाज सेवा में योगदान देने वाले तीन समाजसेवी बृजेंद्र प्रताप सिंह सरित बहाव धर्मेंद्र कुमार सिंह को मांग पत्र भेंट किया तथा प्राथमिक विद्यालय जागेश्वर मंदिर कानपुर के 15 विद्यार्थियों को प्रेरणादायक पुस्तके दी। बी.टेक. के 445, एम.सी.ए के 55 और एम.टेक. के 72 छात्र छात्राओं को डिग्रियां भी दी गई।